📚 JSSC इंटरमीडिएट स्तर परीक्षा 2026: सामान्य अध्ययन

www.CrackJSSC.com

◉ खण्ड 1: सम–सामयिक विषय एवं वैज्ञानिक प्रगति

(2025-2026 एडिशन)

www.CrackSSC.com

🏆 1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (2025-2026)

📝 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार (2025-2026)

- **विजेता**: प्रख्यात तमिल कवि, उपन्यासकार और गीतकार **आर. वैरामुथु**।
- **साहित्यिक योगदान**: उन्हें यह पुरस्कार तमिल साहित्य और भारतीय सिनेमा में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए दिया गया है। उनकी प्रसिद्ध कृतियों में *'कल्लिकाट्टू इतिहासम'* (Kallikaattu Ithihasam) और *'करुवाची काव्यम'* (Karuvachi Kaaviyam) शामिल हैं।
- **विशेष तथ्य**: वह ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित होने वाले तीसरे तमिल लेखक हैं।

🌍 नोबेल पुरस्कार 2025 (पूर्ण आधिकारिक सूची)

क्षेत्र	विजेता का नाम	अनुसंधान / खोज का मुख्य कारण
चिकित्सा (Medicine)	मैरी ई. ब्रंकव, फ्रेड रैम्सडेल, शिमन साकागुची	'पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस' (Regulatory T cells) की खोज, जो ऑटोइम्यून बीमारियों के इलाज में क्रांतिकारी है।
भौतिकी (Physics)	जॉन क्लार्क, मिशेल एच. डेवरेट, जॉन एम. मार्टिनिस	सुपरकंडक्टिंग क्वांटम बिट्स (Qubits) का विकास, जिसने क्वांटम कंप्यूटिंग को व्यावहारिक बनाया।
रसायन (Chemistry)	सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन, उमर एम. याघी	मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (MOFs) के विकास के लिए, जो हाइड्रोजन भंडारण और कार्बन कैप्चर में उपयोगी है।
साहित्य (Literature)	लास्ज़लो क्रास्ज़नाहोरकाई (हंगेरियन लेखक)	उनके उपन्यासों में अस्तित्व के संघर्ष और समकालीन इतिहास की जटिलताओं के गहन चित्रण के लिए।
शांति (Peace)	मारिया कोरिना मचाडो (वेनेजुएला)	वेनेजुएला में तानाशाही के खिलाफ और लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली के लिए उनके साहसी अहिंसक संघर्ष हेतु।
अर्थशास्त्र (Economics)	जोएल मोक्यार, फिलिप अघियन, पीटर हाविट	आर्थिक विकास में तकनीकी नवाचार और 'क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन' (Creative Destruction) के प्रभाव के सिद्धांत हेतु।

www.CrackSSC.com

🚀 2. वैज्ञानिक प्रगति एवं रक्षा प्रौद्योगिकी (2025-2026 अपडेट्स)

🛰 इसरो (ISRO) के मिशन

- **चंद्रयान-4 (Chandrayaan-4):** यह इसरो का अगला महत्वाकांक्षी 'लूनर सैंपल रिटर्न' (Lunar Sample Return) मिशन है। वर्ष 2026 के मध्य में इसके मॉड्यूल की रूपरेखा को अंतिम मंजूरी दी गई। इसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह से मिट्टी और चट्टानों के नमूने वापस पृथ्वी पर लाना है।
- **गगनयान (Gaganyaan):** भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन के तहत, वर्ष 2025 के अंत और 2026 के शुरुआती महीनों में 'व्योममित्र' (Humonoid Robot) के साथ दो मानवरहित टेस्ट फ्लाइट्स (G1 और G2) को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा गया।
- **निसार (NISAR):** इसरो और नासा (NASA) का संयुक्त डुअल-फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार (SAR) उपग्रह, जो 2025-2026 में पृथ्वी के क्रस्ट (Crust) में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों की लाइव मैपिंग कर रहा है।

🚀 डीआरडीओ (DRDO) के मिसाइल परीक्षण (2026)

- **LRLACM (Long Range Land Attack Cruise Missile):** जून 2026 में डीआरडीओ ने ओडिशा के चांदीपुर तट से इस स्वदेशी क्रूज़ मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इसकी मारक क्षमता **1,000 किलोमीटर** से अधिक है और यह बेहद कम ऊंचाई पर उड़कर रडार को चकमा देने में सक्षम है।
- **अग्नि-5 (Agni-V) 'मिशन दिव्यास्त्र':** MIRV (Multiple Independently Targetable Re-entry Vehicle) तकनीक से लैस अग्नि-5 मिसाइल का परिचालन ढांचा 2025-2026 में पूरी तरह से स्ट्रेटेजिक फोर्सेस कमांड (SFC) में एकीकृत कर दिया गया है।

---

www.CrackSSC.com

🗺 3. भारत के पड़ोसी देश: राजव्यवस्था एवं संबंध (2026 की स्थिति)

JSSC के सिलेबस के अनुसार पड़ोसी देशों की मुद्रा, राजधानी और वहां के वर्तमान प्रमुखों का विवरण नीचे दिया गया है:

पड़ोसी देश	राजधानी	मुद्रा (Currency)	वर्तमान राष्ट्र प्रमुख (2026)
बांग्लादेश	ढाका	टका (Taka)	डॉ. मुहम्मद यूनुस (मुख्य सलाहकार / अंतरिम सरकार प्रमुख)
नेपाल	काठमांडू	नेपाली रुपया	के.पी. शर्मा ओली (प्रधानमंत्री)
श्रीलंका	श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे	श्रीलंकाई रुपया	अनुरा कुमारा दिसानायके (राष्ट्रपति)
भूटान	थिम्पू	डोंगकुलम (Ngultrum)	शेरिंग तोबगे (प्रधानमंत्री)
म्यांमार	नैप्यीदा (Naypyidaw)	क्यात (Kyat)	मिन आंग ह्लाइंग (सैन्य जुंटा प्रमुख)
मालदीव	माले	रुफिया (Rufiyaa)	डॉ. मोहम्मद मुइज्जू (राष्ट्रपति)

www.CrackJSSC.com

🏛 खण्ड 2: भारत का इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन एवं जनजातीय विद्रोह

www.CrackJSSC.com

📜 1. प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत का संक्षिप्त सार

- **सिंधु घाटी सभ्यता**: यह एक नगरीय सभ्यता थी। ग्रिड पद्धति पर आधारित सड़कें, कांस्य युगीन संस्कृति। प्रमुख स्थल: **लोथल** (गोदीबाड़ा/डॉकयार्ड), **कालीबंगा** (जुते हुए खेत), **धोलावीरा** (जल प्रबंधन प्रणाली)।
- **मौर्य साम्राज्य**: संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य। **सम्राट अशोक** के शिलालेख (ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपि में)। अशोक ने कलिंग युद्ध (261 ईसा पूर्व) के बाद 'भेरीघोष' की जगह 'धम्मघोष' अपनाया।
- **दिल्ली सल्तनत**: पांच वंशों का क्रम–गुलाम, खिलजी, तुगलक, सैयद और लोधी। **अलाउद्दीन खिलजी** ने बाजार नियंत्रण प्रणाली और स्थायी सेना की शुरुआत की।
- **मुग़ल काल**: 1526 में बाबर द्वारा स्थापना। **अकबर** की मनसबदारी व्यवस्था और सुलाह–ए–कुल की नीति। **शाहजहाँ** का स्थापत्य युग और **औरंगज़ेब** का काल।

---

www.CrackJSSC.com

IN 2. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन (1857 - 1947)

1857 का विद्रोह और झारखंड का संबंध

- **शुरुआत**: झारखंड में 1857 के विद्रोह की शुरुआत **12 जून 1857** को देवघर जिले के **रोहिणी गाँव** से हुई, जहाँ 32वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों ने विद्रोह किया।
- **प्रमुख नेता**:
  - हज़ारीबाग और रांची क्षेत्र में **विश्वनाथ शाहदेव**, **पाण्डे गणपत राय**, और **टिकैत उमराव सिंह** ने कमान संभाली।
  - सिंहभूम क्षेत्र में **पोरहाट के राजा अर्जुन सिंह** ने विद्रोहियों का नेतृत्व किया।
  - पलामू में **नीलाम्बर और पीताम्बर** (भोक्ता खरवार जनजाति) ने अंग्रेजों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध लड़ा।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का रामगढ़ अधिवेशन (1940)

- **अधिवेशन**: यह कांग्रेस का **53वां वार्षिक अधिवेशन** था, जो **19-20 मार्च 1940** को झारखंड के **रामगढ़** में आयोजित हुआ।
- **अध्यक्षता**: **मौलाना अबुल कलाम आज़ाद** ने की।
- **मुख्य बातें**: मुख्य स्वागत समिति के अध्यक्ष **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद** थे। इस अधिवेशन के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम **'मजहर नगर'** और सभा स्थल का नाम **'बिरसा मुंडा नगर'** रखा गया था। इसी अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस ने 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की नींव रखने की घोषणा की थी।

---

www.CrackSSC.com

3. झारखंड के प्रमुख जनजातीय विद्रोह (विस्तृत कानूनी एवं ऐतिहासिक विवरण)

(A) तिलका आंदोलन (1783 - 1785)

- **नेतृत्वकर्ता**: **बाबा तिलका मांझी** (उर्फ जाबरा पहाड़िया)।
- **केंद्र**: भागलपुर और सुल्तानगंज के आसपास का वन क्षेत्र (वनचरी जोर)।
- **मुख्य घटना**: 13 जनवरी 1784 को तिलका मांझी ने ताड़ के पेड़ पर छिपकर तीर से भागलपुर के तत्कालीन कलेक्टर **अगस्तस क्लीवलैंड** की हत्या कर दी।
- **परिणाम**: 1785 में बाबा तिलका मांझी को धोखे से गिरफ्तार कर भागलपुर में एक **बरगद के पेड़** पर लटकाकर फांसी दे दी गई। वह अंग्रेजों के खिलाफ हथियार उठाने वाले पहले आदिवासी शहीद माने जाते हैं।

(B) कोल विद्रोह (1831 - 1832)

- **कारण**: आदिवासियों की भूमि को छीनकर गैर-आदिवासियों (दिक्कुओं) को दिया जाना और उन पर अत्यधिक कर लगाना। सिन्दराय और बिन्दराय मानकी की बहनों के साथ दुर्व्यवहार।
- **नेतृत्वकर्ता**: **बुद्धू भगत** (सिलागाई, रांची), सिन्दराय मानकी, और बिन्दराय मानकी। यह झारखंड का **पहला सुसंगठित और व्यापक व्यापक विद्रोह** था।
- **दमनकर्ता**: कैप्टन थॉमस विलकिंसन।
- **परिणाम**: इस विद्रोह के दमन के बाद 1833 में **'दक्षिण-पश्चिमी सीमांत एजेंसी' (SWFA)** का गठन किया गया और गैर-विनियमन प्रांत के तहत 'विलकिंसन रूल' लागू हुआ।

(C) संथाल हुल / विद्रोह (1855 - 1856)

- **क्षेत्र**: संथाल परगना (प्राचीन नाम: दामिन-इ-कोह)।
- **नारा**: *"करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो।"*
- **नेतृत्वकर्ता**: चार सगे भाई – **सिद्धू, कान्हू, चांद, और भैरव**। उनकी बहनें **फूलो और झानो** भी इसमें सक्रिय रूप से शामिल थीं।
- **मुख्य घटना**: 30 जून 1855 को भोगनाडीह गाँव में लगभग 10,000 आदिवासियों की सभा हुई, जहाँ सिद्धू को 'राजा' और कान्हू को 'मंत्री' घोषित किया गया।
- **दमनकर्ता**: मेजर बारो और कैप्टन अलेक्जेंडर। अंग्रेजों ने विद्रोहियों को रोकने के लिए पाकुड़ में **'मार्टेलो टावर'** का निर्माण करवाया था।
- **परिणाम**: सिद्धू-कान्हू को भोगनाडीह में ही फांसी दे दी गई। इसके बाद **संथाल परगना टेनेंसी एक्ट (SPT Act)** की नींव पड़ी और इस क्षेत्र को एक नया प्रशासनिक जिला घोषित किया गया।

(D) बिरसा उलगुलान / मुंडा विद्रोह (1895 - 1900)

www.crackjssc.com

- **उद्देश्य**: 'अबुआ राज' (अपना शासन) की स्थापना और खूंटकट्टी व्यवस्था (सामूहिक भूमि स्वामित्व) की बहाली।
- **नेतृत्वकर्ता: भगवान बिरसा मुंडा**। इनका जन्म **15 नवंबर 1875** को उलिहातू गाँव (खूंटी) में हुआ था। इन्होंने 'सिंहबोंगा' (एकमात्र ईश्वर) की आराधना पर बल दिया और 'बिरसाइज संप्रदाय' चलाया।
- **सेनापति**: गया मुंडा (मुंडा सेना के मुख्य सेनापति)।
- **मुख्य युद्ध: डोंबारी बुरु (डोंबारी पहाड़ी) का युद्ध (9 जनवरी 1900)**, जहाँ अंग्रेजी सेना ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर सैकड़ों मुंडा आदिवासियों को मार डाला। इसे झारखंड का 'जलियांवाला बाग' भी कहा जाता है।
- **अंत**: 3 फरवरी 1900 को बिरसा मुंडा को चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल से सोते हुए गिरफ्तार किया गया। **9 जून 1900** को रांची जेल में हैजा (अंग्रेजी रिकॉर्ड के अनुसार) के कारण उनकी मृत्यु हो गई।
- **परिणाम**: **11 नवंबर 1908** को **छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (CNT Act, 1908)** लागू किया गया, जिसने आदिवासियों की जमीन के गैर-आदिवासियों को ट्रांसफर होने पर कानूनी रोक लगा दी।

---

www.CrackJSSC.com

खण्ड 3: भारतीय भाषाएं, लिपियाँ एवं संस्कृति

www.CrackJSSC.com

📝 1. भारतीय भाषाएं एवं संवैधानिक प्रावधान

- **8वीं अनुसूची**: भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्तमान में **22 भाषाएं** शामिल हैं। मूल संविधान में केवल 14 भाषाएं थीं।
- **भाषाओं के संशोधन का इतिहास (रटने योग्य तथ्य)**:
    1. **21वां संविधान संशोधन (1967): सिंधी** भाषा को 15वीं भाषा के रूप में जोड़ा गया।
    2. **71वां संविधान संशोधन (1992):** तीन भाषाएं जोड़ी गईं – **कोंकणी, मणिपुरी, और नेपाली** (शॉर्टकट: नमक)।
    3. **92वां संविधान संशोधन (2003):** चार भाषाएं जोड़ी गईं – **बोडो, डोगरी, मैथिली, और संथाली** (शॉर्टकट: BDMSc)। संथाली झारखंड की एकमात्र क्षेत्रीय भाषा है जो संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल है।

✍ 2. झारखंड की जनजातीय लिपियाँ

JSSC परीक्षा में लिपियों से सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं:

- **ओल चिकी (Ol Chiki):** यह **संथाली भाषा** की आधिकारिक लिपि है। इसका आविष्कार **पंडित रघुनाथ मुर्मू** द्वारा वर्ष **1925** (सार्वजनिक रूप से 1941) में किया गया था।
- **वारंग चिति (Warang Chiti):** यह **हो (Ho) जनजाति** की भाषा की लिपि है। इसका आविष्कार **लोको बोदरा** ने किया था।
- **तोलोंग सिकी (Tolong Siki):** यह **कुड़ुख (उरांव) जनजाति** की भाषा की लिपि है। इसका विकास **डॉ. नारायण उरांव** द्वारा किया गया है।

---

www.CrackJSSC.com

🌍 खण्ड 4: भारत का भूगोल, पर्यावरण एवं कृषि

www.CrackJSSC.com

1. भारत की भौगोलिक स्थिति एवं विशेषताएं

- **विस्तार**: भारत उत्तरी–पूर्वी गोलार्ध में स्थित है। इसका मुख्य भूमि विस्तार **8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश** तथा **68°7' पूर्वी देशांतर से 97°25' पूर्वी देशांतर** के बीच है।
- **कर्क रेखा (23.5° N):** भारत के **8 राज्यों** से होकर गुजरती है: गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिजोरम और **झारखंड** (झारखंड में यह रांची के कांके, ओरमांझी, गोला और रामगढ़ के पास से गुजरती है)।
- **हरित क्रांति**: भारत में इसकी शुरुआत 1966-67 में हुई। इसके जनक **डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन** थे (जिन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया)। इसमें उच्च उपज देने वाले बीजों (HYV), विशेषकर गेहूं और चावल पर ध्यान केंद्रित किया गया।

www.CrackJSSC.com

💎 2. छोटानागपुर पठार के खनिज संसाधन

झारखंड को **'भारत का रुहर' (Ruhr of India)** कहा जाता है क्योंकि यहाँ प्रचुर मात्रा में खनिज पाए जाते हैं:

- **झरिया (धनबाद)** : भारत का सबसे बड़ा **कोयला** भंडार और प्राइम कोकिंग कोल का एकमात्र स्रोत।
- **जादूगोड़ा (पूर्वी सिंहभूम)** : भारत की पहली **यूरेनियम** खदान (यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित)।
- **कोडरमा** : इसे **'भारत की अभ्रक राजधानी' (Mica Capital of India)** कहा जाता है। यहाँ उच्च गुणवत्ता वाला रूबी अभ्रक पाया जाता है।
- **नोआमुंडी और चिड़िया (पश्चिम सिंहभूम)** : एशिया की सबसे बड़ी **लोह-अयस्क (Hematite)** खदानों में से एक।

---

www.CrackJSSC.com

🏛 खण्ड 5: भारतीय संविधान, राजव्यवस्था एवं पंचायती राज

www.CrackSSC.com

1. संविधान के महत्वपूर्ण अनुच्छेद (JSSC स्पेशल डायरेक्ट लिस्ट)

- **अनुच्छेद 14:** कानून के समक्ष समानता।
- **अनुच्छेद 17:** अस्पृश्यता (छुआछूत) का उन्मूलन।
- **अनुच्छेद 19(1)(a):** वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (प्रेस की स्वतंत्रता)।
- **अनुच्छेद 21:** प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Privacy इसी के अंतर्गत है)।
- **अनुच्छेद 21A:** 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा (86वां संशोधन, 2002)।
- **अनुच्छेद 32:** संवैधानिक उपचारों का अधिकार (डॉ. अंबेडकर ने इसे 'संविधान की आत्मा' कहा था)।इसके तहत सुप्रीम कोर्ट 5 प्रकार की रिट जारी करता है।
- **अनुच्छेद 40:** ग्राम पंचायतों का संगठन (नीति निदेशक तत्व)।
- **अनुच्छेद 44:** नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code - UCC)।
- **अनुच्छेद 51A: मौलिक कर्तव्य** (स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संशोधन 1976 द्वारा जोड़े गए। मूल रूप से 10 थे, वर्तमान में **11 मौलिक कर्तव्य** हैं)।

www.CrackJSSC.com

📦 2. पंचायती राज व्यवस्था एवं सामुदायिक विकास

- **सामुदायिक विकास कार्यक्रम (CDP):** इसकी शुरुआत **2 अक्टूबर 1952** को की गई थी, लेकिन यह प्रशासनिक कमियों के कारण असफल रहा।
- **बलवंत राय मेहता समिति (1957):** इसने भारत में **त्रिस्तरीय (Three-Tier)** पंचायती राज व्यवस्था की सिफारिश की:
    1. ग्राम स्तर पर – ग्राम पंचायत
    2. ब्लॉक (प्रखंड) स्तर पर – पंचायत समिति
    3. जिला स्तर पर – जिला परिषद
- **शुरुआत:** देश में पहली बार **2 अक्टूबर 1959** को राजस्थान के **नागौर जिले** में जवाहरलाल नेहरू द्वारा पंचायती राज का उद्घाटन किया गया।
- **73वां संविधान संशोधन (1992):** इसके द्वारा पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा दिया गया। संविधान में **भाग–9** और **11वीं अनुसूची** जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को काम करने के लिए **29 विषय** दिए गए। प्रत्येक वर्ष **24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस** मनाया जाता है।
- **झारखंड पंचायत राज अधिनियम, 2001:** इसके तहत झारखंड में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए **50% सीटें आरक्षित** की गई हैं, ऐसा करने वाले शुरुआती राज्यों में झारखंड शामिल है।

---

www.CrackSSC.com

📊 खण्ड 6: आर्थिक परिदृश्य एवं पंचवर्षीय योजनाएं

www.CrackJSSC.com

☑ 1. योजना आयोग, नीति आयोग एवं पंचवर्षीय योजनाएं

- **प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951 - 1956): हैरॉड–डोमर मॉडल** पर आधारित। मुख्य प्राथमिकता: **कृषि विकास**। इसी दौरान दामोदर घाटी परियोजना (DVC) की नींव पड़ी।
- **द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956 - 1961): पी. सी. महालनोबिस मॉडल** पर आधारित। मुख्य प्राथमिकता: **भारी और बुनियादी उद्योग**। इसके तहत भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर स्टील प्लांट स्थापित हुए।
- **तृतीय पंचवर्षीय योजना (1961 - 1966):** प्राथमिकता: आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था। इसी योजना के दौरान **1964 में बोकारो स्टील प्लांट** की स्थापना सोवियत संघ (USSR) के सहयोग से झारखंड के बोकारो में की गई।
- **नीति (NITI) आयोग:** योजना आयोग को समाप्त कर **1 जनवरी 2015** को राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (NITI Aayog) की स्थापना की गई। यह सरकार के **'थिंक टैंक'** के रूप में कार्य करता है। इसके पदेन अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री होते हैं।

---

www.CrackJSSC.com

🗺 खण्ड 7: झारखण्ड राज्य की भौगोलिक एवं राजनीतिक स्थिति (2026)

www.CracJSSC.com

⚠ 1. भौगोलिक स्थिति एवं संरचना

- **भौगोलिक स्थिति**: झारखंड भारत के पूर्वी भाग में स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल **79,714 वर्ग किलोमीटर** है (भारत के कुल क्षेत्रफल का 2.42%)।
- **आकृति**: झारखंड राज्य की भौगोलिक आकृति **चतुर्भुजाकार (Quadrilateral)** है।
- **पारसनाथ पहाड़ी (सम्मेद शिखर)**: यह झारखंड की सबसे ऊंची चोटी है। यह **गिरिडीह जिले** में स्थित है। इसकी सटीक वैज्ञानिक ऊंचाई **1365 मीटर (या 4478 फीट)** है। यह जैन धर्म का एक अत्यंत पवित्र तीर्थस्थल है (जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों ने यहीं मोक्ष प्राप्त किया था)।
- **प्रशासनिक सीमाएं**: झारखंड एक स्थलरुद्ध (Landlocked) राज्य है, जिसकी सीमाएं **5 राज्यों** को छूती हैं:
    1. *उत्तर में:* बिहार (10 जिलों को स्पर्श करता है)
    2. *दक्षिण में:* ओडिशा (4 जिलों को स्पर्श करता है)
    3. *पूर्व में:* पश्चिम बंगाल (10 जिलों को स्पर्श करता है)
    4. *पश्चिम में:* छत्तीसगढ़ (4 जिलों को स्पर्श करता है)
    5. *उत्तर-पश्चिम में:* उत्तर प्रदेश (केवल **गढ़वा** जिले को स्पर्श करता है)।
- **गढ़वा जिले की विशेषता**: गढ़वा झारखंड का एकमात्र ऐसा जिला है जिसकी सीमा तीन राज्यों (बिहार, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़) से लगती है।

www.CrackSSC.com

🏛 2. प्रशासनिक एवं राजनीतिक व्यवस्था (2026 की स्थिति)

- **प्रमंडल और जिले**: झारखंड में वर्तमान में **5 प्रमंडल (Divisions)** और **24 जिले** हैं। राज्य गठन (15 नवंबर 2000) के समय केवल 18 जिले थे, बाद में 6 नए जिले (लातेहार, जामताड़ा, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, खूंटी और रामगढ़) बनाए गए।
- **प्रमंडलों का वर्गीकरण**:
  1. *उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल:* मुख्यालय – हज़ारीबाग (सबसे बड़ा प्रमंडल – 7 जिले)
  2. *दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल:* मुख्यालय – रांची (5 जिले)
  3. *संथाल परगना प्रमंडल:* मुख्यालय – दुमका (6 जिले)
  4. *पलामू प्रमंडल:* मुख्यालय – मेदिनीनगर (3 जिले)
  5. *कोल्हान प्रमंडल:* मुख्यालय – चाईबासा (सबसे नया प्रमंडल – 3 जिले)
- **विधानसभा ढांचा**: झारखंड में एकसदनीय (Unicameral) व्यवस्था है। विधानसभा में कुल निर्वाचित सीटों की संख्या **81** है।
- **सीटों का आरक्षण वर्गीकरण**:
  - अनुसूचित जनजाति (ST): **28 सीटें**
  - अनुसूचित जाति (SC): **9 सीटें**
  - अनारक्षित (UR/General): **44 सीटें**

www.CrackJSSC.com

3. झारखंड के राजकीय प्रतीक और नया लोगो (New Logo) विश्लेषण

JSSC परीक्षा में नए लोगो के चक्रों से निश्चित रूप से प्रश्न आते हैं:

- **राजकीय पशु:** हाथी (*Elephas maximus*)
- **राजकीय पक्षी:** कोयल (*Eudynamys scolopaceus*)
- **राजकीय वृक्ष:** साल / सखुआ (*Shorea robusta*)
- **राजकीय पुष्प:** पलाश (*Butea frondosa*)
- **नया वृत्ताकार लोगो (Circular Emblem):** यह चक्राकार विन्यास में है जो राज्य की प्रगति का प्रतीक है। इसमें बने चक्रों का विवरण बाहर से अंदर की ओर इस प्रकार है:
    - **प्रथम चक्र (बाहरी) :** झारखंड सरकार और 'Government of Jharkhand' लिखा है।
    - **द्वितीय चक्र:** इसमें **24 हाथी** दर्शाए गए हैं, जो राज्य के ऐश्वर्य और प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के प्रतीक हैं।
    - **तृतीय चक्र:** इसमें **24 पलाश के फूल** हैं, जो राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाते हैं।
    - **चतुर्थ चक्र:** इसमें **48 नर्तकों** को 'सौर चित्रकला' (Soura Painting) के रूप में दर्शाया गया है, जो यहाँ की समृद्ध जनजातीय कला को प्रदर्शित करते हैं।
    - **केंद्रीय चक्र:** इसके बिल्कुल केंद्र में **अशोक स्तंभ** बना है, जो भारत के संघवाद में झारखंड की सक्रिय भागीदारी का सूचक है।

---

www.CrackJSSC.com

खण्ड 8: हाई-यिल्ड अभ्यास प्रश्नप्रत्र (High-Yield Practice Q&A)

प्रश्न 1: वर्ष 2025-2026 के लिए घोषित 60वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया है?

- **उत्तर:** आर. वैरामुथु (प्रसिद्ध तमिल लेखक और गीतकार)।

प्रश्न 2: संथाली भाषा की आधिकारिक लिपि 'ओल चिकी' का आविष्कार किस वर्ष और किसके द्वारा किया गया था?

- **उत्तर:** पंडित रघुनाथ मुर्मू द्वारा वर्ष 1925 में।

प्रश्न 3: झारखंड का वह एकमात्र जिला कौन सा है, जिसकी सीमा उत्तर प्रदेश राज्य को स्पर्श करती है?

- **उत्तर:** गढ़वा जिला (यह बिहार, यूपी और छत्तीसगढ़ तीनों को छूता है)।

प्रश्न 4: किस पंचवर्षीय योजना के दौरान झारखंड के बोकारों स्टील प्लांट (1964) की स्थापना सोवियत संघ के सहयोग से की गई थी?

- **उत्तर:** तृतीय पंचवर्षीय योजना (Third Five Year Plan)।

प्रश्न 5: मुंडा उलगुलान के दौरान प्रसिद्ध 'डोंबारी बुरु का युद्ध' किस तिथि को आयोजित हुआ था, जिसे झारखंड का जलियांवाला बाग कहा जाता है?

- **उत्तर:** 9 जनवरी 1900 को (भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में)।

---

www.CrackSSC.com